

DEPARTMENT OF NYAYA
NAME OF THE PROGRAMME: Sastri/BA/ BSc

The Status of the Subject in all the Three years (if it is at UG level):

Elective I (Core) /ElectiveII (Conventional)/ ElectiveIII (Vocational)

| Year | SEMESTER | Electives I / II/ III | Name of the Text |
|------|----------|-----------------------|--|
| I | I | Course 1 | मूक्तावली (आदितः साधर्म्यवैधर्म्यनिरूपणन्तो भागः) |
| | | Course 2 | मूक्तावली (अनुमानखण्डः) |
| | II | Course 3 | मूक्तावली (पृथिवीनिरूपण-प्रभृति-प्रत्यक्षखण्डान्तो भागः) |
| | | Course 4 | मूक्तावली (उपमान-शब्दपरिच्छेदौ) |
| II | III | Course 5 | पञ्चलक्षणी गादाधरी (आदितः चतुर्थलक्षणनिरूपणान्तो भागः) |
| | | Course 6 | चतुर्दशलक्षणी (आदितः “एवं दलान्तरेपि” इति दीधितिपर्यन्तो भागः) |
| | IV | Course 7 | पञ्चलक्षणी गादाधरी (चतुर्थलक्षणखण्डनादारभ्य सिंहव्याघ्रलक्षणान्तो भागः) |
| | | Course 8 | चतुर्दशलक्षणी (“एवं दलान्तरेपि” इति दीधितिमारभ्य प्रथमलक्षणसमाप्तिपर्यन्तो भागः, व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावखण्डनञ्च) |
| III | V | Course 9 | सिद्धान्तलक्षणम् गादाधरी (आदितः “नोपादेयञ्च सर्वथैव” इति दीधितिप्राक्तनो भागः) |
| | | Course 10 | पक्षता गादाधरी (आदितः “लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं” इति दीधितिप्राक्तनो भागः) |
| | VI | Course 11 | सिद्धान्तलक्षणम् गादाधरी (“नोपादेयञ्च सर्वथैव” इति दीधितिप्रभृति “ननु अष्टद्रव्यातिरिक्तद्रव्यत्वे सति” इति दीधितिप्राक्तनो भागः) |
| | | Course 12 | पक्षता गादाधरी (“लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं” इति दीधितिप्रभृति मिश्रपक्षतापर्यन्तो भागः) |

Reference Books

| | |
|------------------|--|
| Course 1 | न्यायसिद्धान्तमुक्तावली दिनकरी-रामरुद्रीसहिता, Edited by – Harirama Shukla Nyayacharya, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वारणासि, 2005 |
| Course 2 | |
| Course 3 | |
| Course 4 | |
| Course 5 | पञ्चलक्षणी, एन्.एस. रामानुजताताचर्यविरचित-बालबोधिनीव्याख्यासहिता, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, 2018 |
| Course 7 | |
| Course 6 | चतुर्दशलक्षणी, एन्.एस. रामानुजताताचर्यविरचित-विवरणव्याख्यासहिता, |
| Course 8 | |
| Course 9 | |
| Course 11 | सिद्धान्तलक्षणम्, एन्.एस. रामानुजताताचर्यविरचित-सुबोधिनीव्याख्यासहितम्, Sri Sri Sri mahalakshmi Mathrubhuteswar Trust, Chennai, 2016 |
| Course 10 | पक्षता, एन्.एस. रामानुजताताचर्यविरचित-भावबोधिनीव्याख्यासहिता, Kendriy Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, 1988 |
| Course 12 | |

Course I. Name of the Text Book .. मुक्तावली (आदितः साधर्म्यवैधर्म्यनिरूपणन्तो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|----------|---|
| I | 01 – 45 | आदितः – सादृश्यस्यातिरिक्तपदार्थत्वनिराकरणन्तो भागः |
| II | 46 – 75 | “क्षित्यप्तेजो मरुत्” इति कारिका – प्रभृति – “संसर्गाभाव इष्यते” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| III | 75 – 80 | “सप्तानामपि साधर्म्यं” इति कारिका – प्रभृति – “सामान्यपरिहीनास्तु” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| IV | 80 – 93 | “अन्यथासिद्धिशून्यस्य” इति कारिका – प्रभृति – “समवायिकारणत्वं” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| V | 93 – 103 | “अन्यत्र नित्यद्रव्येभ्यः” इति कारिका – प्रभृति – “पञ्च वेगश्च मानसे” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |

Course II. Name of the Text Book. . मुक्तावली (अनुमानखण्डः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|--|
| I | 218 - 226 | अनुमितिनिरूपणं, लिङ्गानुमितिकरणं, परामर्शनिरूपणं, तत्र प्रभाकरगुरुमतं, तत् खण्डनञ्च। |
| II | 227 - 236 | पूर्वपक्षव्याप्तिः, तत्खण्डनं, सिद्धान्तव्याप्तिः, विशेषव्याप्तिः, दण्डिसाधकस्थले दोषवारणम्। |
| III | 237 - 246 | प्रतियोगिवैयधिकरणविचारः, तत्र विकल्पत्रयं, कालो घटवान् इत्यत्र लक्षणसमन्वयप्रकारः, गुरुधर्मस्य अवच्छेदकत्वम्। |
| IV | 247 - 253 | पक्षता, सिषाधयिषासंशययोः पक्षतात्वनिरासः, सिद्धान्तपक्षता, अनुमितिसिद्धयोः प्रतिबध्यप्रतिबन्धकभावः, तल्लिङ्गकत्वादिनिवेशप्रयोजनम्। |
| V | 254 - 287 | हेत्वाभासलक्षणं, तद्विभागः, प्रत्यकहेत्वाभासलक्षणानि, रत्नकोषकारमतम्, अन्यतमधटितलक्षणम्। |

Course III. Name of the Text Book. . मुक्तावली (पृथिवीनिरूपण-प्रभृति-प्रत्यक्षखण्डान्तो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|--|
| I | 104 – 130 | “तत्र क्षितिर्गन्धहेतुः” इति कारिका - प्रभृति – नित्यतादिप्रथमवत्” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| II | 130 – 152 | “उष्णस्पर्शस्तेजसस्त” इति कारिका – प्रभृति – “उपाधिभेदादेकापि” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| III | 152 – 172 | “आत्मेन्द्रियादयधिष्ठाता” इति कारिका – प्रभृति – “विभूर्बुद्ध्यादिगुणवान्” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| IV | 173 – 187 | “प्रत्यक्षमप्यनमितिः” इति कारिका – प्रभृति – “ज्ञानं यन्निर्विकल्पाख्यं” इति कारिकाव्याख्यान्तो भागः |
| V | 187 - 209 | “महत्त्वं षड्विधे हेतुः” इति कारिका – प्रभृति – प्रत्यक्षखण्डान्तो भागः |

Course IV. Name of the Text Book. . मुक्तावली (उपमान-शब्दपरिच्छेदौ)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|---|
| I | 355 - 366 | ग्रामीणस्य प्रथमतः इति कारिकातः व्यवहारात् शक्तिग्रहः इति पर्यन्तः भागः |
| II | 367 - 372 | वाक्यशेषात् शक्तिग्रहः इति प्रभृति लक्षणानिरूपणप्राक्तनभागः |
| III | 373 - 383 | लक्षणाशक्यसम्बन्धः इति कारिकातः आसत्तिप्राक्तनभागः |
| IV | 384 - 390 | आसत्तिविचारः तथा योग्यताविचारः |
| V | 390 - 394 | आकाङ्क्षाविचारः तथा तात्पर्यविचारः |

Course V. Name of the Text Book. . पञ्चलक्षणी गादाधरी (आदितः चतुर्थलक्षणनिरूपणान्तो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|---------|--|
| I | 01 – 10 | आदितः – प्रथमलक्षणान्तः |
| II | 11 – 32 | द्वितीयलक्षणादारभ्य – साध्याभाववत्ताविचारे “नचैवमपि कालिकसम्बन्धेन प्रमेयसाध्यककालत्वादिहेता-वव्याप्तिः” इत्यतः प्राक्तनो भागः |
| III | 33 – 52 | “नचैवमपि कालिकसम्बन्धेन प्रमेयसाध्यककालत्वादिहेता-वव्याप्तिः” इत्यारभ्य – द्वितीयलक्षणान्तो भागः |
| IV | 53 – 69 | तृतीयलक्षणादारभ्य – साध्याभावो वा इति दीधितिप्राक्तनो भागः |
| V | 70 – 85 | तदारभ्य – चतुर्थलक्षणनिरूपणान्तो भागः |

Course VI. Name of the Text Book. . चतुर्दशलक्षणी (आदितः “एवं दलान्तरेपि” इति दीधितिपर्यन्तो भागः

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|--|
| I | 01 – 33 | आदितः – “प्रमेयसाध्यके च” दीधितिप्राक्तनो भागः |
| II | 33 – 62 | “प्रमेयसाध्यके च” दीधितिमारभ्य – “अत एव भूतत्वमूर्तत्वोभयवान्” इत्यादि दीधितिप्राक्तनो भागः |
| III | 62 – 92 | “अत एव” दीधितिमारभ्य – “यत् साध्यतावच्छेदकावच्छिन्नेति” गादाधरीप्राक्तनो भागः |
| IV | 92 – 125 | “यत् साध्यतावच्छेदकावच्छिन्नेति” गादाधरीप्रभृति – “वस्तुतस्तु लघुरूपसमनियतगुरुधर्मस्य” इत्यतः प्राक्तनो भागः |
| V | 125 – 159 | “वस्तुतस्तु लघुरूपसमनियतगुरुधर्मस्य” इत्यारभ्य – “रूपादिसामान्याभावे” इति दीधितिप्राक्तनो भागः |

Course VII. Name of the Text Book. . पञ्चलक्षणी गादाधरी (चतुर्थलक्षणखण्डनादारभ्य सिंहव्याघ्रलक्षणान्तो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|---|
| I | 87 – 168 | चतुर्थलक्षणखण्डने “द्रव्यं विशिष्टसत्त्वादित्यादावेवाव्याप्तिसम्भवे तदपेक्षायाः निर्बीजत्वाच्च” इत्यन्तो भागः |
| II | 102 – 114 | एतेन “विद्वेषणताविद्वेषसम्बन्धेन” इत्यारभ्य – चतुर्थलक्षणान्तो भागः |
| III | 115 – 126 | पञ्चमलक्षणविचारः |
| IV | 127 – 151 | सिंहलक्षणविचारः |
| V | 152 – 167 | व्याघ्रलक्षणविचारः खण्डनञ्च |

Course VIII. Name of the Text Book. . चतुर्दशलक्षणी (“एवं दलान्तरेपि” इति दीधितिमारभ्य प्रथमलक्षणसमाप्तिपर्यन्तो भागः,
व्यधिकरणधर्मावच्छिन्नाभावखण्डनञ्च)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|--------------|---|
| I | 159 – 177 | “रूपादिसामान्याभावे” इति दीधितिमारभ्य – “तत्सामानाधिकरण्यञ्च” इति दीधितेः प्राक्तनो भागः |
| II | 177 – 195 | “तत्सामानाधिकरण्यञ्च” इति दीधितिमारभ्य – “जलादिवृत्तित्वविशिष्टे”त्यादिदीधितिप्राक्तनो भागः |
| III | 195 – 204 | “जलादिवृत्तित्वविशिष्टे”त्यादिदीधितिमारभ्य – लक्षणान्तो भागः |
| IV | 799 – 810 | खण्डनग्रन्थे मणिव्याख्यानभागः |
| V | 810 – 835 | खण्डनग्रन्थे दीधितिव्याख्यानभागः |

Course IX. Name of the Text Book. . सिद्धान्तलक्षणम् गादाधरी (आदितः “नोपादेयञ्च सर्वथैव” इति दीधितिप्राक्तनो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|--------------|---|
| I | 02 – 43 | आदितः – “दण्डयादौ साध्ये परम्परासंबद्धं” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| II | 43 – 94 | “दण्डयादौ साध्ये परम्परासंबद्धं” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “सामानाधिकरण्यव्यक्तीनां भेदेपि” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| III | 94 – 124 | “सामानाधिकरण्यव्यक्तीनां भेदेपि” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “यो यदीययावदविशेषाभावान्” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| IV | 124 – 166 | “यो यदीययावदविशेषाभावान्” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “न च गुणादिनिष्ठायाः यावत्संयोगाभावा-धिकरणतायाः व्याप्यवृत्तित्वेपि” इत्यादिगादाधर्यन्तो भागः |
| V | 166 – 203 | साध्योपाध्योर्न व्याप्तिनिर्वाहः इति गादाधरीमारभ्य – “नोपादेयञ्च सर्वथैव” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |

Course X. Name of the Text Book. . पक्षता गादाधरी (आदितः “लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं” इति दीधितिप्राक्तनो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|---|
| I | 01 – 45 | आरम्भात् – समुच्चयस्य पक्षतात्वनिरासपर्यन्तो भागः |
| II | 46 – 66 | साध्यसंदेहस्यानुमितिहेतुत्वनिरास – प्रभृति – सिषाधयिषायाः पक्षतात्वनिरासपर्यन्तो भागः |
| III | 66 – 97 | सिद्धान्तपक्षता – प्रभृति – सिषाधयिषापदार्थनिरूपणपर्यन्तो भागः |
| IV | 97 – 115 | सिषाधयिषायाः तत्तद्व्यक्तित्वेनोतेजकत्वविचारः |
| V | 115 – 143 | तल्लिङ्गकानुमितौ अन्यमात्रलिङ्गकानुमितीच्छायाः प्रतिबन्धकत्वविचार – प्रभृति - “लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं” इति दीधितिप्राक्तनो भागः |

Course XI. Name of the Text Book. . सिद्धान्तलक्षणम् गादाधरी (“नोपादेयञ्च सर्वथैव” इति दीधितिप्रभृति “ननु अष्टद्रव्यातिरिक्तद्रव्यत्वे सति” इति दीधितिप्राक्तनो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|--|
| I | 203 – 241 | “नोपादेयञ्च सर्वथैव” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “अत्यन्तपदञ्च” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| II | 241 – 275 | “अत्यन्तपदञ्च” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “प्रतियोगिमत् इव ध्वंसादिमतोपि” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| III | 275 – 300 | “प्रतियोगिमत् इव ध्वंसादिमतोपि” इत्यादिदीधितिमारभ्य – “अत्र सामानाधिकरण्यवतो न तदभाववत्वम्” इति दीधितेः प्राक्तनो भागः |
| IV | 300 – 322 | “अत्र सामानाधिकरण्यवतो न तदभाववत्वम्” इति दीधितिमारभ्य – “अत्र च ग्राह्यसामानाधिकरण्ये” इत्यादिदीधितेः प्राक्तनो भागः |
| V | 322 – 357 | “अत्र च ग्राह्यसामानाधिकरण्ये” इत्यादिदीधितिमारभ्य - “ननु अष्टद्रव्यातिरिक्तद्रव्यत्वे सति” इति दीधितिप्राक्तनो भागः |

Course XII. Name of the Text Book. . पक्षता गादाधरी ("लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं" इति दीधितिप्रभृति मिश्रपक्षतापर्यन्तो भागः)

| Unit No. | Pages | Unit Title |
|----------|-----------|--|
| I | 144 – 176 | "लिङ्गविशेषेणापि नियन्त्रितं पक्षत्वं" इति दीधिति – प्रभृति – साध्यसिद्धेः प्रतिबन्धकत्वविचारपर्यन्तो भागः |
| II | 176 – 199 | अवच्छेदकावच्छेदेन सिद्धेः प्रतिबन्धकत्वविचार – प्रभृति – अंशतः सिद्धसाधनस्य दोषत्वविचारपर्यन्तो भागः |
| III | 200 – 214 | पक्ष-साध्यविशेष्यकानुमितौ सिद्धेः प्रतिबन्धकत्वविचार – प्रभृति – प्रसिद्धसाध्यकस्थले पक्षविशेष्यकानुमिति-निरूपणपर्यन्तो भागः |
| IV | 214 – 223 | अप्रसिद्धसाध्यकस्थले साध्यविशेषणकानुमितिनिरूपण – प्रभृति – उपाध्यायमतनिरूपणपर्यन्तो भागः |
| V | 224 – 240 | मिश्रपक्षता |

Signature of the HOD